Patrika (Indore), 21st January 2020, *Patrika Plus*, Page-13

IIT INDORE...

ब्रह्मांड के शुरुआती दौर को समझने की कवायद शुरू

मध्य ब्रह्मांड के प्रथम एक अरब वर्ष पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

इंदौर ◆ इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आइआइटी) में मध्य ब्रह्मांड के प्रथम एक अरब वर्ष पर सोमवार से 10 दिवसीय इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस की शुरुआत हुई। यह आयोजन संस्थान के खगोल विज्ञान, खगोल भौतिकी एवं अंतरिक्ष अभियांत्रिकी विभाग द्वारा किया जा रहा है। सम्मेलन का लक्ष्य विश्व के सबसे बड़े 'टेलिस्कोप स्क्वेयर मीटर अरे' का प्रयोग करते हुए कैसे ब्रह्मांड को उसके शुरुआती दौर में समझा जा सकता है, की जानकारी प्राप्त करना है। पहले दिन के स्पीकर कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, यूके के अनास्तासिया फियाल्कोव, यूनिवर्सिटी ऑफ ग्रोनिंगन, नीदरलैंड के ऐनी हटर , राष्ट्रीय खगोलीय वेधशाला, चीनी विज्ञान अकादमी, पीआरसी के यिदॉन्ग जू थे। इन्होंने टेक्निल पेपर प्रजेंट किए।

सम्मेलन में बड़ी संख्या में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के वक्ता भाग लेंगे। 27 से 31 जनवरी के मध्य 5 दिवसीय कार्यशाला का भी आयोजन किया जा रहा है, जिसमें छात्र एवं शोधकर्ता भाग लेंगे। इसका उद्देश्य इन नई पीढ़ी के प्रयोगों द्वारा सामना की जाने वाली विभिन्न तकनीकी बाधाओं के नए समाधानों का पता लगाना और उन प्रयोगों द्वारा मिलने वाले अभूतपूर्व मात्रा के डाटा का विश्लेषण और व्याख्या करना है।